मध्यप्रदेश की राजधानी से प्रकाशित

आर.एन.पी.-29 ए एल 93 - टी.सी.
डाकपंजीयन-भोपाल सभाग/म.प्र. 988/94

ऑटो एडवाइजर

एक मात्र राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल हिन्दी मासिक

संपादक - संजय हिन्ना

वर्ष-1, अंक-5 | भोपाल, अक्टूबर 1994 | मूल्य -2.50 रु., पृष्ठ-8, वार्षिक-30 रु.

• यह है नई टाटा 'सूमो'

देश में दुपहिया सवारों के लिए हेल्मेट अनिवार्य होगा - टाइटलर

नयी दिल्ली । स्कूटर और मोटर साइकिल सवारों के लिए हेलमेट पहनना पूरे भारत में अनिवार्य कर दिया गया है । दुपहिया वाहनों के चालक को भी अब हेलमेट पहनना होगा और पीछे बैठने वाली सवारी को भी । उल्लेखनीय है कि अब तक देश के कई शहरों में दुपहिया वाहनों के चालक तक हेलमेट नहीं लगाते थे । दिल्ली में भी सिर्फ वाहन चालक के लिए ही हेलमेट पहनना जरुरी था, सवारी के लिए नहीं । भूतल परिवहन मंत्री जगदीश टाइटलर ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि हेलमेट लगाने की अनिवार्यता के बारे में सरकारी अधिसूचना अतिशीघ्र जारी की जाएगी। इसके बाद देश भर में हेलमेट लगाना कानून अनिवार्य होगा और इस नियम का उल्लंघन करने वालों को भारी जुर्माना अदा करना पड़ेगा ।

श्री टाइटलर के अनुसार सरकार देश भर में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति को लेकर चिंतित है इसलिए यह कोशिश की जा रही है कि लोगों में जागरुकता पैदा कर और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराकर दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या को इस सदी के आखिर तक आधे से भी कम के आंकड़े पर ले आया जाये । उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या आठ हजार थी । सरकार की कोशिश होगी कि नयी सदी की शुरुआत में यह संख्या 25 हजार से ज्यादा न हो । श्री टाइटलर ने कहा कि प्रदेश सरकारों से इस मामले में तेजी से

(शेष पृष्ठ-7 पर)

लीलैण्ड कार योजना खटाई में

मद्रास । हिन्दुजा समूह की कंपनी अशोक लीलैण्ड के द्वारा तैयार की गई कार योजना खटाई में पड़ गई है । कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर. जे. शाह ने एक समाचार पत्र को बतलाया कि कंपनी अभी तक कार के इंजन की क्षमता का निर्णय नहीं कर पाई है । इस निर्णय को लेने में जनवरी 95 तक का समय लग सकता है।

कार के इंजन की क्षमता का निर्धारण हो जाने के उपरांत विदेशी सहयोगी कंपनियों की तलाश किए जाने का विचार भी है ।

चीन में मोटर साइकिलों की भारी मांग
विश्व के दुपहिया निर्माताओं का ध्यान चीन पर केन्द्रित

पेइचिंग । चीन में मोटर साइकिल प्रेम बढ़ता जा रहा है । यही कारण है कि यहां मोटर साइकिलों की मांग में भारी वृद्धि हुई है । इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए चीन ने अगले सात वर्षों में मोटर साइकिल उत्पादन दो गुना करने की योजना बनाई है ।

चीन के एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र 'चाइना डेली' ने मोटर साइकिल उपयोग के प्रभारी ली लियान जियांग के हवाले से कहा है कि सन् 2000 तक चीन का मोटर साइकिल उत्पादन 60 लाख से 80 लाख प्रतिवर्ष तक हो जाने की उम्मीद है ।

एक सरकारी समाचारपत्र के अनुसार चीन के अधिकतर लोग मोटर गाड़ियाँ खरीदने की स्थिति में नहीं है। इसलिए देश में मोटर साइकिलों की मांग तेजी से बढ़ रही है । चीन संसार के सबसे बड़े दुपहिया बाजार के रुप में जाना जाता है। यह बाजार इस समय 2.1 मिलियन का है जिसके इस शताब्दी के अंत तक 4 मिलियन हो जाने की प्रबल संभावना है ।

यहां उल्लेखनीय है कि विश्व के अन्य देशों की ही भांति भारत के दुपहिया निर्माताओं की निगाहें भी चीन पर लगी हुई हैं । कुछ माह पहले ही भारतीय कंपनी हीरो मोटर्स ने चीन में मोटर साइकिल निर्माण हेतु कारखाना लगाने की योजना बनाई है । हीरो मोटर्स कंपनी संयुक्त क्षेत्र में गुआनघान हीरो पुक मोटर्स लिमिटेड (जी.एच.पी.एम.एल.) के नाम से स्थापित होगी ।

शुभकामना.....!
दशहरे के पावन पर्व पर 'ऑटो एडवाइजर' अपने समस्त पाठकों, विज्ञापन दाताओं, सहयोगियों और शुभचिन्तकों को हार्दिक शुभकामना प्रेषित करता है।

जे.के. रेडियल टायर्स यूरोप को निर्यात

दिल्ली । जे.के. इंडस्ट्रीज समूह की जे.के. टायर द्वारा उत्पादित जे.के.टायर (कार रेडियल) का निर्यात यूरोप को किया जा रहा है । इस निर्यात के साथ ही जे.के.टायर ने ऐसी प्रथम कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है जिसे रेडियल टायर निर्यात का अवसर मिला।

लगभग साढ़े पाँच सौ करोड की जे.के. टायर कंपनी को ब्रिटेन की एक कंपनी द्वारा 2040 स्टील बेल्टेज ट्यूबलेस रेडियल टायरों का आर्डर दिया गया है । कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार इस लघु आर्डर से कंपनी को यूरोपीय बाजार में जाने का अवसर मिल सकेगा जहां विश्व की अनेक बड़ी कंपनियां अपना आधिपत्य जमाए हुए हैं इन कंपनियों में जर्मनी की कांटीनेंटल टायर, इटली की सोसायटी न्यूमेटीरी, फ्रांस की केमलीन ग्रुप, ब्रिटेन की पीरेली स्पाव आदि प्रमुख हैं ।

भारत से निर्यात किये जाने वाले 97 प्रतिशत टायरों में ट्रक व बसों के टायरों का समावेश रहता है । इसमें से अधिकांश लगभग 99 प्रतिशत टायर क्रास प्लाय टायर्स होते हैं, रेडियल नहीं होते । जे. के. टायर कंपनी स्टार ट्रेक नाम से 13 इंच रिंक साइज टायर्स का यूरोप को निर्यात करेगी । इनका 800 व 1000 सी.सी. मॉडल्स कार में प्रयोग किया जा सकेगा ।

नई दिल्ली (वा) । इंडियन एयरलाइंस के बेड़े में 27 वां एयरबस 320 विमान इस माह शामिल हो गया है।

टायरों की कीमत में 10 प्र.श. वृद्धि की संभावना

नई दिल्ली । तीन वर्ष के अंतराल के उपरांत टायरों की कीमत में 10 प्र.श. वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है । प्राकृतिक रबर के भावों में हुई वृद्धि के कारण यह संभावना बढ़ गई है। प्राकृतिक रबर के भाव फरवरी से मात्र 25 रु. किलो थे जो अगस्त में 42 रु. किलो हो गए हैं । इस वृद्धि से टायर निर्माताओं की परेशानी भी बढ़ गई है।

यदि आप चाहते हैं.... ?

- अपने पुत्र/पुत्री के लिए योग्य जीवन साथी,
- बेकार की भागदौड़ से मुक्ति,
- चयन के लिए हजारों प्रस्ताव,

तो आप पढ़िये !

चित्रांश वैवाहिक विवरण पत्रिका

कायस्थ समाज की एक सम्पूर्ण पत्रिका

- पत्रिका में प्रकाशनार्थ स्तरीय पारिवारिक लेख आमंत्रित हैं । उचित पारिश्रमिक की व्यवस्था है ।
- पत्रिका में अपने विवाह योग्य पुत्र/पुत्री का बायोडॉटा प्रकाशित कराना चाहें तो भेज दीजिए । बायोडॉटा निःशुल्क प्रकाशित किये जाते हैं ।
- पत्रिका के वार्षिक सदस्य बनना चाहें तो 35/- (पैंतीस रुपये) 'चित्रांश वैवाहिक विवरण पत्रिका भोपाल' के नाम बैंक ड्रॉफ्ट/पोस्टल आर्डर भेजें ।
- अपने क्षेत्र में पत्रिका का प्रतिनिधित्व करना चाहें तो लिखें या संपर्क करें।

नमूना प्रति निःशुल्क मंगाएं

व्यवस्थापक
चित्राश वैवाहिक विवरण पत्रिका
जी 98/10, तुलसी नगर, भोपाल-3

वर्गीकृत विज्ञापन

For Purchase : Disel Jeep New Model. Umakant PH: 552396 (before 6p.m.& after 10 a.m.)

For Sale : Maruti Creem colour, 89 Model & White colour, 90 model (AC) Contact – Jai Auto deal, 11 New Market Thana Road, Bhopal. PH: 554246

खरीदना है : बजाज सनी स्टार ए को प्राथमिकता अथवा अवन्ती VIP-2 मोपेड से बदलना है । मिलें- विजय 4/40 रविशंकर नगर, भोपाल ।

Immediate Sale : Yamaha 350 c.c., 86 Model & Hero Puch 90 Model, Contect : Sanjay Sharma, Ishawar Nagar, Near Habib Ganj Station, Bhopal (Before 10 a.m. & after 6 p.m.)

For Sale : Vijay Super 82 Model. Ajay Singh, E7, MIG–197, Arera colony, Bhoal.

अतिशीघ्र बेचना है : मारुति डीलक्स कार, लाइफ टेक्स पेड, 87 मॉडल मात्र 1 लाख 18 हजार में । केवल इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें । मालवीय , फ्रेन्ड्स ऑटोमोबाइल, शाप–16, शबरी काम्पलेक्स, जोन–II, एम.पी.नगर, भोपाल ।

बेचना है : अवन्ती VIP-2 मॉडल, नए टायर ट्यूब, सिल्वर कलर । विजय, 4/40, रविशंकर नगर, भोपाल ।

For Sale : Bajaj Super, 80 Model, New Colour, New Tyre, Complete Engine & Life tex paid. Vijay 4/40, Ravi Shankar Nagar, Bhopal.

बेचना है: अवन्ती VIP-2 मोपेड संपर्क-उपेन्द्र, वीडियो वर्ल्ड इलेक्ट्रानिक्स, 5 वें स्टॉप मार्केट, शिवाजी नगर, भोपाल ।

For sale : Ind – Suzuki, 85 Model, Life time tex paid, New Tyre & Tube, Good Running Condition, Please Contact – Vijay, 4/40, Ravi Shankar Nagar, Bhopal.

खरीदना है: डीजल कमान्डर जीप नए मॉडल में । शीघ्र संपर्क करें – विजय 4/40 रविशंकर नगर भोपाल ।

For Sale : Yamaha Rx–100, Black colour, life tex paid, New Battory, model– 92, Please contact : Umakant Mishra, Ritu Property, 207 Saibaba complex, Zone-I, M.P.Nagar, Bhopal PH: 552396

For Sale : Disel Jeep, 77 Model, New Kriloskar Engine, life tex paid contact–Sanjay Shrivastava, 5/37, Ravi Shankar Nagar, Bhopal.

खरीदना है : सुजुकी, कावासाकी, होरोण्डा या यामाह मोटर साइकिल । सुजुकी को प्राथमिकता । संपर्क करें – योगेश फोन : 63437 (सुबह 10 से पहले)

For Sale : Local Maruti Car (Deluxe) 87 New Model, Life time tex paid, good running condition. Please Contact- Vijay, Ritu Property, 207, Saibaba Complex Zone–I, M.P.Nagar, (Near Hotel Residency), Bhopal PH: 552396

For Sale : Maruti Van, White colour, 86 model, New Tyre & Tube, Life Tex paid. contect : S.P.Sharma, 4th floor, 3/14 Ranthambhor complex, Near Jyoti Cinema, Opp. chatak Bridge, Bhopal.

Jai Auto Deal
Ph : 554246
Sale & Purchase
Maruti car, Van, Gypsi, Fiat & Ambassader On Commission Basis
11, Thana Road, New market, Bhopal

Raj Auto Deal
Sale & Purchase
All type four wheeler. on Commission basis.
Please contact:–
C/o Friends Automobiles & Maruti service cente, shop–16, Shabari Complex, Zone–II M.P.Nagar, Bhopal.

CAR FINANCE
On 0% Interest Maruti Van, Car, 1000 C.C., Premier Diesel Immediate Delivery. Please Contact :–
KUNAL FINANCIAL CONSULTANTS, 14, Dhenu Market, Indore PH : 531696, 21258

Comfort Journey
551987
तीर्थ यात्रा, शादी–पार्टियों एवं संपूर्ण भारत भ्रमण हेतु उचित दरों पर आरामदायक टैक्सी, कार, जीप, मारुति वेन, मिनी बस, लग्जरी बसों हेतु संपर्क करें :– **कम्फर्ट जर्नी, शॉप नं. 1, अंकुर कॉम्पलेक्स के सामने, 6 नं. स्टॉप, भोपाल ।**

GAS Runings Car
ओरिजनल सिस्टम को चेंज किये बगैर चलने में पेट्रोल से ज्यादा बेहतर, एक वर्ष का फ्री मेन्टेनेंस । संपर्क– संजय गुप्ता PH : 566245

रोमांचक वी डॉल ऑटो रिक्शा दौड़ संपन्न

भोपाल । भोपाल आटोमोबाइल एण्ड स्पोर्टस क्लब द्वारा स्थानीय लालपरेड ग्राउंड पर वी डॉल आटो रिक्शा दौड़ का आयोजन 9 अक्टूबर को किया गया । यह अपने आप में प्रदेश की पहली किस्म की दौड़ थी ।

इस दौड़ का उद्घाटन म.प्र. के परिवहन मंत्री श्री प्रेमनारायण ठाकुर द्वारा किया गया और समापन उच्च शिक्षा, क्रीड़ा एवं युवक कल्याण मंत्री श्री मुकेश नायक द्वारा किया गया ।

तिपहिया वाहन दौड़ स्पर्धा के मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे, जिसमें मो. सईद 65 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर तथा मो. अनीस 60 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहे । स्पर्धा 4 चरणों में हुई । आड़ा तिरछा व ऊपर नीचे चालन कूद , शीघ्र अवरोध बचाव के अलावा तत्काल ब्रेक लगाने, तीव्र विपरीत चालन आदि क्रियाकलापों का ऑटोरिक्शा चालकों ने बेहतर प्रदर्शन किया । इस दौड़ में 42 ऑटो चालकों ने भाग लिया ।

दौड़ के सफल संचालन में क्रमशः पुलिस थाना जहांगीराबाद, भोपाल ऑटोमोबाइल स्पोटस क्लब के अध्यक्ष–शरद गुप्ता, अमन वालिया, राजीव शर्मा, के.एस. गांधी, मध्यप्रदेश पुलिस खेल विभाग के भरत राय, भोपाल आटो रिक्शा संघ के मुबीन खां, डा. दलजीत राजपाल, स्पोटस क्राफ्ट के श्रीकांत करानी आदि का योगदान सराहनीय रहा ।

समापन अवसर पर ही श्री मुकेश नायक की अध्यक्षता में विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया ।

रापनि बसों का किराया बढ़ेगा

जबलपुर (वार्ता) । मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक पी.पी. माथुर ने यात्री किराये में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी के संकेत दिए । उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि डीजल आदि की कीमतों में वृद्धि के बावजूद पिछले चार वर्षों से निगम ने यात्री किराए में कोई वृद्धि नहीं की है । वृद्धि संबंधी प्रस्ताव राज्य सरकार के पास मंजूरी के लिए है । श्री माथुर ने कहा कि निजी बसों का यात्री किराया निगम की बसों के किराये की तुलना में अधिक है तथा उन्होंने इसे 45 प्रतिशत और बढ़ाने के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है ।

जय अम्बे ऑटो एजेन्सीज बजाज उपविक्रेता नियुक्त

पिपरिया । बजाज वाहनों के अधिकृत भोपाल गैरेज इटारसी द्वारा पिपरिया क्षेत्र में बजाज वाहनों के विक्रय हेतु जय अम्बे ऑटो एजेन्सीज को अपना उप विक्रेता नियुक्त किया है । जय अम्बे ऑटो एजेन्सी पिपरिया के शाह मार्केट में स्थित है ।

भोपाल इलाहाबाद ट्रेन में आरक्षण

इलाहाबाद यात्रियों को सुविधा

भोपाल । भोपाल से इलाहाबाद जाने वाली नई ट्रेन में 6 प्रथम श्रेणी व 124 शयन यान श्रेणी में आरक्षण की सुविधा दी गई है ।

अभी तक भोपाल से इलाहाबाद जाने के लिए एकमात्र ट्रेन इंदौर–हावड़ा (क्षिप्रा एक्सप्रेस) थी जो विगत 1 जुलाई से हफ्ते में दो की जगह तीन दिन चलने लगी थी ।

गत 11 अक्टूबर से बम्बई वी.टी. और इलाहाबाद के बीच एक नई एक्सप्रेस 1069 डाउन/1070 अप सप्ताह में दो दिन इटारसी, भोपाल, झांसी, माणिकपुर होकर प्रारंभ की गई है । '1069 डाउन' ट्रेन प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को बम्बई वी.टी. से 5.05 बजे रवाना होकर 20.30 बजे भोपाल आएगी और 20.40 पर भोपाल से प्रस्थान कर अगले दिन क्रमशः बुधवार एवं शनिवार को 10 बजे इलाहाबाद पहुंचेगी । इसी प्रकार 1070 अप प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 16.10 बजे रवाना होकर क्रमशः गुरुवार व रविवार को 5.20 बजे भोपाल आएगी तथा भोपाल से 5.30 बजे प्रस्थान कर 23.35 बजे बंबई वी.टी. पहुंचेगी ।

हंस वायुयानों की परीक्षण उड़ान जून 95 में

नई दिल्ली (वा) । देश में विकसित फाइबर ग्लास के दो सीटों वाले वायुयानों की पहली परीक्षण व्यापारिक उड़ान जून 95 में होगी।

यह जानकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री भुवनेश चतुर्वेदी ने लोकसभा में दी । इस विमान के लिये डिजाइन नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज ने विकसित किया है । तथा इसका लाइसेंस निजी क्षेत्र की कंपनी को दे दिया । निजी क्षेत्र की इस कंपनी ने डिजाइन के विकास के लिये आंशिक रुप से वित्तीय सहायता दी है ।

नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज आठ से चौदह सीटों वाले 'सारस' वायुयान का भी विकास कर रहा है । जिसमें इस अनिवासी भारतीय कंपनी मैनेजमेंट स्ट्रैटीजी को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है ।

पिछले अंक मंगाइये

यदि आप ऑटो एडवाइजर के पिछले अंक मंगाना चाहते हैं तो प्रति अंक रुपये 2.50 शुल्क मनीआर्डर से भेजें । मनीआर्डर फार्म में 'संदेश के लिए स्थान' पर अपना नाम व पूरा पता साफ–साफ अक्षरों में अवश्य लिखें । वार्षिक सदस्य बनने के लिए मात्र 30 रुपये भेजें।

उपलब्ध अंक

जनवरी 94

इस अंक में यामाह 125 सी.सी. और सुजुकी शोगुन मोटर साइकिलों का तुलनात्मक तकनीकी विवरण, मोटर वाहन उद्योग पर विशेष आलेख एवं उद्योगपति जे.आर.डी. टाटा को श्रद्धांजलि ।

जून 94

इस अंक में नए दुपहिया वाहनों के बाजार में प्रवेश की जानकारी, टी.वी.एस. स्कूटी की तकनीकी विवरण सहित संपूर्ण जानकारी, कार उद्योग में क्रांति पर विशेष आलेख, बोलने वाली बैटरी – 'पेस सैटर मैजिक आई' के बारे में विस्तृत विवरण और भी अन्य उपयोगी सामग्री ।

जुलाई 94

इस अंक में काइनेटिक के नए दुपहिया 'प्राइड' की, तकनीकी विवरण सहित संपूर्ण जानकारी, इक्कीसवीं सदी में जीवन कैसा होगा ? पर एक रोचक आलेख दुपहिया व चार पहिया वाहनों की भोपाल में क्रमशः कीमत की जानकारी देने वाली टेबल व अन्य ढेर सारी पठनीय संग्रहणीय जानकारी ।

अगस्त–सितम्बर 94 (संयुक्तांक)

इस अंक में नई राजदूत – 4 गियर की तकनीकी जानकारी , प्रत्येक वाहन के लिये लुब्रिकेंट्स के चयन में सुविधा हेतु सालिका, वाहनों के मॉडल बनाने वाले कलाकार से साक्षात्कार तथा अन्य ढेरों ऑटोमोबाइल सम्बंधित जानकारियां ।

मनीआर्डर इस पते पर भेजें:–

संपादक,
ऑटो–एडवाइजर,
D–13, सेर्वोय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स,
E–8, अरेरा कालोनी, भोपाल – 16

दक्षिण मध्य रेल्वे
24 स्टेशनों पर कम्प्यूटर आरक्षण की सुविधा

हैदराबाद (भाषा) । दक्षिण मध्य रेल्वे अगले वर्ष मार्च तक राज्य में 24 स्टेशनों में कम्प्यूटर आरक्षण की सुविधा उपलब्ध करायेगा । दक्षिण मध्यरेल्वे के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री जमना सिंह ने यह जानकारी गत 24 सितंबर को फेडरेशन ऑफ आंध्रप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के एक कार्यक्रम के दौरान दी । उनके अनुसार इस समय हैदराबाद, सिकंदराबाद, काचीगुडा तथा तिरुपति स्टेशनों पर कम्प्यूटर आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है । उन्होंने बतलाया कि रेलवे पूछताछ केन्द्रों का भी कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है जिसका कार्य अगले कुछ ही महीनों में संपन्न हो जायेगा । इससे यात्रियों को तत्काल संबंधित जानकारी मिल सकेगी ।

लोकप्रिय हो रहे हैं विस्को के लुब्रिकेंट्स

(त्रिभुवन उपाध्याय द्वारा)

बंबई । विस्कोल्यूब प्रायवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा निर्मित किए जा रहे विस्को एच.आई. टेक ऑटोमेटिव लुब्रिकेंट्स की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है ।

यह कंपनी हाईटेक, हाई परफारमेंस इंजिन ऑयल का उत्पादन कर रही है । विस्को लुब्रिकेंट्स ठाणे स्थित अत्याधुनिक प्लांट में निर्मित किए जाते हैं । यह क्वालिटी कंट्रोल, रिसर्च और डेव्हलपमेंट की विश्वसनीय आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्लांट है ।

विस्को एच आई टेक ऑटोमेटिव लुब्रिकेंटस हर प्रकार के इंजिन के लिए उपयोगी है । इंजिन नया हो या पुराना विस्को लुब्रिकेंटस का उपयोग उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ उनका जीवन भी बढ़ाता है । विस्को लुब्रिकेंटस मोटरकारों, ट्रकों, बसों, ट्रेक्टरों, ट्रव्हीलर्स व थ्रीव्हीलर्स और भारीवाहनों आदि के इंजनों के लिए श्रेष्ठ साबित हुए हैं । क्योंकि विस्को लुब्रिकेंटस के निर्माण में तरह तरह की जलवायु और तापमान की नियंत्रित रखते हुए उच्च कार्यक्षमता के विकास पर ध्यान दिया जाता है ।

विस्को लुब्रिकेंटस जहां क्रमशः 250 मिली, 500 मिली, व 1000 मिली (एक लीटर) के लघु पैक में बाजार में उपलब्ध हैं वहीं यह 20 लीटर व 210 लीटर के बड़े ड्रमों में भी उपलब्ध हैं ।

रेल्वे उपक्रमों द्वारा लक्ष्य से अधिक उत्पादन

नई दिल्ली,(भाषा) । रेल्वे के सभी उपक्रमों ने चालू वित्तीय वर्ष के पहले पांच महीनों अप्रेल से अगस्त तक की अवधि के दौरान उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है ।

इस अवधि के दौरान तीन रेल उपक्रमों ने निर्धारित लक्ष्यों से अधिक उत्पादन किया । रेल्वे की एक विज्ञप्ति के अनुसार इंटीग्रल कोच फैक्ट्री मद्रास ने इस अवधि में 349 बोगियों के निर्माण का लक्ष्य रखा था जबकि 352 का निर्माण किया गया । इसी प्रकार से कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्टरी ने 324 बोगियों का निर्माण किया जबकि लक्ष्य 323 का था ।

इनफील्ड: 535 से 624 सी.सी. मोटर साइकिल बनाने की योजना

मद्रास । इनफील्ड इंडिया लिमिटेड ने 535 से 624 सी.सी. की मोटर साइकिलों का निर्माण करने की योजना बनाई है ।

कंपनी पिछले तीन दशकों से मोटर साइकिलों का उत्पादन कर रही है । इसके उत्पादों में बुलट मोटर साइकिल सर्वाधिक लोकप्रिय है । पिछले वर्ष कंपनी ने 500 सी.सी. की बुलेट बिक्री के लिये बाजार में उतारी थी । इसके बाद 535 व 624 सी.सी. सुपर बुलेट बनाने की योजना तैयार हुई ।

कंपनी का दावा है कि उसकी मोटर साइकिलें भारतीय सड़कों के अनुकूल हैं और विश्वस्तरीय गुणवत्ता की कसौटी पर भी खरी उतरती है ।

टर्बाइन युक्त इंजन बनेगा

अमरीका । पाली मोटर के अध्यक्ष हाब्जर वर्ग ने सामान्य इंजन से अलग हटकर एक नए प्रकार के इंजन के निर्माण की योजना बनाई है । यह इंजन पूर्णतः विशेष प्रकार की प्लास्टिक से बना होगा । इस सम्बन्ध में हाब्जर वर्ग का दावा है कि यह लोहे से निर्मित इंजनों से भिन्न होगा । इस इंजन में पिस्टन और ब्लाक का प्रयोग नहीं किया जाएगा । बल्कि यह सिलीकॉन नाइट्राइड युक्त टर्बाइन से चलेगा । इसकी कार्यक्षमता वर्तमान मौजूद इंजनों की अपेक्षाकृत अधिक होगी ।

नए उत्पाद

अपोलो 'ब्लेक केट' टायर

अपोलो टायर कं. द्वारा हाल ही में दुपहिया वाहनों के लिए एक नया टायर निर्मित किया गया है । यह 'ब्लेक केट' के नाम से विक्रय के लिए उपलब्ध है।

'ब्लेक केट' ग्रिपों की विशिष्ट डिजाइन के कारण सड़क पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने में सक्षम है । इस कारण वाहन को किसी भी कोण से सुविधापूर्वक मोड़ा जा सकता है ।

सम पिस्टन और रिंग

हैदराबाद की समक्रग पिस्टन लि. द्वारा हर प्रकार के वाहन के लिए पिस्टन व रिंग बनाए जा रहे हैं । यह थाईवान की चेंगशिंग के तकनीकी सहयोग से निर्मित किए जा रहे हैं । अधिक शक्ति, ज्यादा माइलेज और लम्बी जिन्दगी के दावे के साथ यह बाजार में विक्रम के लिए उपलब्ध है ।

नया दंगा नियंत्रक वाहन

डी.सी.एम. टोयटा ने एक नया दंगा नियंत्रक वाहन निर्मित किया है । यह वाहन दंगे की स्थिति से निपटने में सक्षम है और कई विशेषताओं से सुसज्जित है ।

इस वाहन में 26 सीटें हैं । इसके अतिरिक्त खड़े होने के लिए सुरक्षित रेलिंग की व्यवस्था की गई है । इसमें 26 हेल्मेट हुक्स, खिसकाने वाली खिड़कियां, प्रत्येक खिड़की में बंदूक रखने के लिए स्थान, दो स्ट्रेचर, लाठियां एवं शील्ड्स के लिए स्थान, आग बुझाने का यंत्र, पानी की टंकी व अगले और पिछले भाग में तीव्र लाइटों आदि की सुविधा दी गई है । इसकी बाडी इस प्रकार डिजाइन की गई है कि वाहन के चारों तरफ निगाह रखी जा सकती है ।

सर्वश्रेष्ठ अत्याधुनिक रूसी पनडुब्बी

टायफून

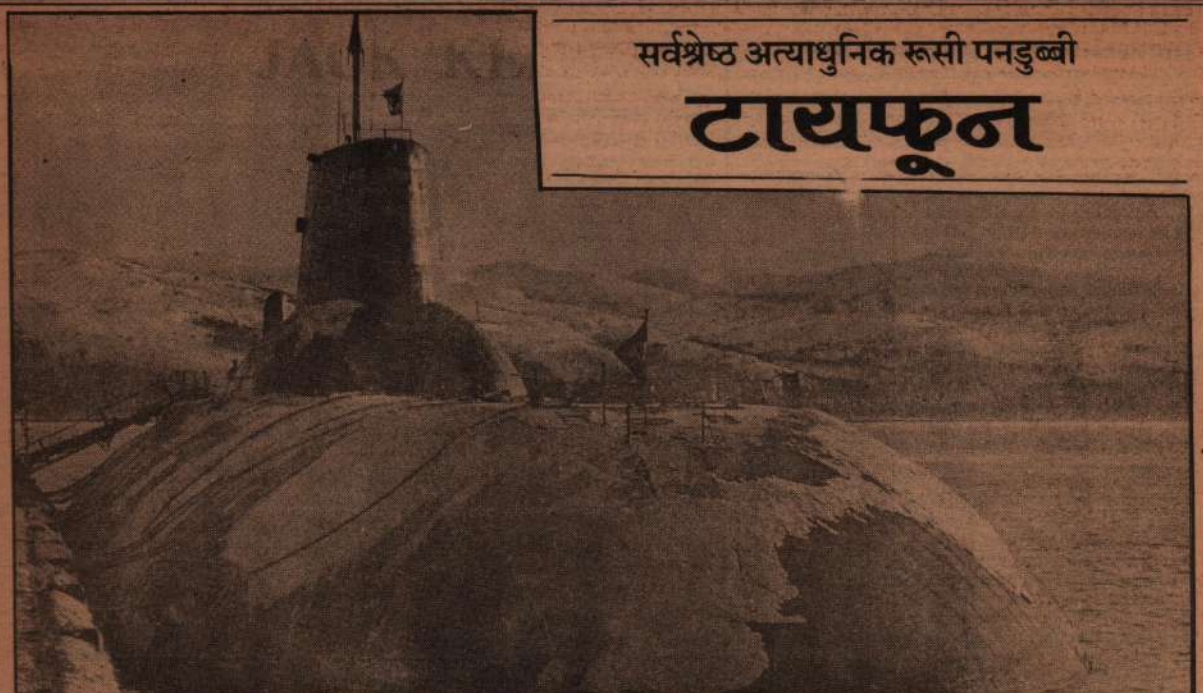

परमाणु चलित पनडुब्बी में जिंदगी किस प्रकार बिताई जाती है इसका विवरण रूसी टायफून पनडुब्बियों से पता चलता है । ब्रिटेन के 'ट्रायंडेंट' प्रक्षपास्त्र पोत से लगभग दो गुनी चौड़ी एवं 23 गुना लंबी टायफून पनडुब्बियों के बारे में कैप्टन रिचर्ड शार्प का कहना है कि यदि इन पनडुब्बियों को वेम्बले स्टेडियम में फिट करने का प्रयास किया जाए तो भी यह संभव नहीं है। इसमें रहने वले एक सौ पचास नौ सैनिक के लिए इसमें बना आराम गृह इतना विशाल है कि इसमें 'बेडमिंटन कोर्ट' भी आसानी से बनाया जा सकता है। पश्चिमी देशों की पनडुब्बियों से कहीं अधिक विकसित तकनीक से बनी रूसी पनडुब्बियों में पौधों के साथ-साथ रंग-बिरंगे प्रकाश की छटा का भी समुचित प्रबंध है । अभी तक 'टायफून' श्रेणी की पनडुब्बियों के पास किसी भी विदेशी को फटकने तक नहीं दिया जाता था, मगर अब रूसी नौसैनिक अधिकारी गर्व से इसे देखते हैं । रूस में अभी तक इस श्रेणी की छः पनडुब्बियां बनायी गई हैं । 26 हजार पांच सौ टन वजनी ये पनडुब्बियां बैलेस्टिक प्रक्षेपास्त्रों से लैस हैं जिनकी मारक क्षमता पांच सौ मील है । (साभार: टाइम्स)

ऑटो एडवाइजर

भोपाल, अक्टूबर 1994

संपादकीय

प्लेग कहीं यह साजिश तो नहीं ।

गत माह भारत पर प्लेग महामारी का काला साया छाया रहा जिसके कारण देश ही नही वरन् संपूर्ण विश्व में तीव्र हलचल मची रही । पाश्चात्य देश की बीमारी को भारत की देन बताते हुए विश्व के कई देशों ने भारत के प्रति अमानवीय रवैया अपनाया । अन्य देशों की बात करना ही गलत होगा जबकि मित्र देशों ने ही भारत के प्रति सहानुभूति नहीं बरती और सम्बन्ध विच्छेद कर लेने में ही भलाई समझी ।

रुस, श्री लंका व कुछ खाड़ी देशों ने भारत से आने जाने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया । सिंगापुर और ताईवान ने अपने जहाजों को भारत में जाने और भारतीय जहाजों को आने से रोक दिया । पाकिस्तान ने भारत जाने वाली रेल गाड़ियां रद्द कर दी । इस प्रकार देखा जाए तो भारत के प्रति इन देशों ने भारी छुआछूत को अपनाया । इससे विश्व के व्यापीकरण पर एक प्रश्न चिन्ह लग गया और यह बात स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आई कि विश्वव्यापीकरण की बातें केवल उद्योग -व्यापार आदि तक ही सीमित है, और मानवीयता के बंधनों से मुक्त है ।

हालांकि प्लेग पर काबू पा लिया गया है लेकिन सूरत (गुजरात) से उठा दहशत का गुबार अब तक विश्व के प्रत्येक देश और प्रत्येक नागरिक के हृदय में घुसा हुआ है । भारत से विदेश तकनीकी विशेषज्ञ पलायन कर रहे हैं । निर्यात की गई भारतीय सामग्री की खरीदारी कम हो गई है । खाड़ी देशों ने तो भारत से फल सब्जियों के आयात पर ही प्रतिबंध लगा दिया है । इस प्रकार भारत के क्रमशः कारोबार व्यापार पर संकट के बादल मंडराने लगे है । भारत की अर्थ व्यवस्था प्रभावित हुई है और अंतर्राष्ट्रीय छवि भी प्रदूषित हुई है । संभवतः इन सबके पीछे पाकिस्तान का हाथ हो । भारत को इसके दूरगामी परिणामों के निराकरण हेतु अभी से प्रयत्नशील रहना चाहिए ताकि भारत अपनी राष्ट्रीय छवि को धूमिल होने से बचाए रख सके और यदि यहां कोई साजिश है तो उसका मुंह तोड़ जवाब दे सके ।

कितना कारगार साबित होगा, मोटरवाहन संशोधन विधेयक ?

संसद में हाल ही में पारित मोटर वाहन संशोधन विधेयक में महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं । इन प्रावधानों के तहत घायल को प्राथमिक व आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध कराना हर ड्राइवर का प्रथम कर्तव्य होगा और चिकित्सक को भी किसी भी प्रकार की कानूनी औपचारिकताओं को पूर्ण किये बिना घायल के इलाज में प्राथमिकता बरतनी होगी । निसंदेह अब कोई घायल सड़क पर तड़प-तड़प कर दम नहीं तोड़ेगा और न ही कोई घायल अस्पताल में स्ट्रेचर पर पड़े हुए कानूनी औपचारिकता के इन्तजार में अपने प्राण गंवाएगा ।

यह तो बहुत पहले होना चाहिए था कम से कम लोग अपनी मानवता और इंसानियत को तो नहीं भुलाते । आज कोई भी व्यक्ति हो, कानूनी झमेलों में नहीं पड़ना चाहता है चाहे वह ड्रायवर हो, चिकित्सक हो या आम आदमी। क्यों ? क्योंकि वह यह पूर्णतः भुला चुका है कि इन सबसे ऊपर मानवता और इंसानियत जैसी अच्छाईयां भी हैं । किसी घायल को देखकर नजरे घुमाकर निकल जाना आज के व्यक्ति की आदत बन गई है । क्योंकि उसके हृदय में मानवता के दर्द से कहीं अधिक कानूनी झमेलों का खौफ जो बसा हुआ है । अब देखना है कि क्या यह विधेयक इस खौफ को निकालकर सुप्त इंसानियत को जागृत कर सकेगा ? यदि यह विधेयक ऐसा कर सका तो निसंदेह इस विधेयक की यही सबसे बड़ी सफलता होगी। फिलहाल इस विधेयक का ज्ञान हर नागरिक को कराना पहली और सख्ती से पालन कराना दूसरी आवश्यकता है ।

भारतीय वायुसेना
62 वर्षों का लम्बा सफर

• केवल राम शर्मा

भारतीय वायुसेना अधिनियम 8 अक्टूबर 1932 को बना । उसी दिन भारतीय वायुसेना का गठन हुआ-मात्र 6 विमान चालकों से जिन्हें कमीशन युक्त अधिकारी नियुक्त किया गया था । 1932 में ही रेलवे वर्कशापों के 22 अन्य कर्मचारियों को विमान रख रखाव हेतु प्रशिक्षणार्थी के रुप में भर्ती किया गया। इन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण देकर हवाई सिपाही के रुप में तैयार किया गया। बाद में। अप्रैल 1933 को इन्हीं 6 अधिकारियों और 22 हवाई सैनिकों से कराची चौकी पर भारतीय वायुसेना की प्रथम टुकड़ी तैनात हुई ।

भारतीय वायुसेना की प्रथम टुकड़ी के पास वेस्ट लैंड कंपनी के 4 वापिती विमान थे । यह विमान लगभग 85 मील प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ सकते थे । संचार साधन की सुविधा इसमें नहीं थी । न ही इसमें ब्रेक थे और काकपिट भी बिना छत के थे ।

कराची चौकी के बाद भारतीय वायुसेना की दूसरी चौकी पेशावर में स्थापित की गई । 1937 में भारतीय वायुसेना को वजीरिस्तान के कबाइलियों को दबाने का मौका मिला, जिसमें भारतीय वायुसेना के विमान और जवान दोनों ने अहम भूमिका निभाई । द्वितीय महायुद्ध (1 सितंबर 1939) में सक्रिय भूमिका निभाने और बर्मा युद्ध में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भारतीय वायु सेना आगे रही । बर्मा युद्ध से इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी और यह 'भारतीय शाही वायु सेना' के नाम से विख्यात हो गई ।

भारत-पाक विभाजन के उपरांत वायुसेना ने पश्चिमी सीमा प्रांत में फंसे शरणार्थियों को भारत लाने का प्रमुख कार्य किया । इसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान के कबाइलियों ने कश्मीर घाटी पर आक्रमण कर दिया और वे श्रीनगर तक आ पहुंचे । तब वायुसेना के डेकोटा विमानों ने सिक्ख रेजीमेंट के सैनिकों को श्रीनगर हवाई अड्डे पर पहुंचाने में योगदान दिया । इस प्रकार सही समय पर सैनिकों के पहुंच जाने से कबाइलियों को मुंह की खानी पड़ी और वे भाग खड़े हुए ।

पाकिस्तान ने पूंछ नामक भारतीय क्षेत्र को घेरकर भारत पर हमला किया तब वायुसेना के विमानों ने घिरे हुए सैनिकों तक रसद, गोला-बारुद पहुंचाकर वायुसेना का मस्तक गौरव से ऊंचा कर दिया । यही नहीं, वायुसेना के हार्वर्ड और स्पिट फायर नामक विमानों ने तो पाकिस्तान द्वारा की गई घेराबंदी को भी छिन्न भिन्न कर दिया और रावल कोट तथा कोटली जैसे अनेक स्थानों को पाकिस्तानी कब्जे से मुक्त रखने में मदद की । इसी प्रकार पाकिस्तान ने गिलगित की ओर से लद्दाख पर हमला किया तब वीर जवान मेहर सिंह के नेतृत्व में डेकोटा विमानों ने उड़ान भरी और लेह में भारतीय सैनिक उतारकर लद्दाख को बचा लिया । यह कड़क जाड़े के समय की घटना है जबकि लेह तक कोई सड़क नहीं थी और लेह तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग एक दर्रा जिसे पार करना असंभव था । पाकिस्तानी क्रमशः गुरेज कारगिल और द्रास नामक भारतीय क्षेत्रों पर अपना कब्जा जमा चुके थे और आगे बढ़ रहे थे । ऐसे में बिना हवाई कार्यवाही के लद्दाख को बचा पाना संभव ही नहीं था तब विमानों द्वारा लेह में सैनिक उतारकर पाकिस्तानी सेना को पीछे हटा दिया गया और पाकिस्तानी कब्जे के क्षेत्रों पर पुनः अपना कब्जा जमा लिया गया ।

चीन युद्ध में हालांकि भारतीय वायु सेना को शामिल नहीं किया गया लेकिन युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर सैनिक रसद और साज सामान पहुंचाने में घायल सैनिकों को सुरक्षित स्थानों पर लाने में वायुसेना निरंतर लगी रही ।

काराकोरम के निकट दौलत बेग ओल्दी जैसे स्थान जो 17000 फुट की ऊंचाई पर स्थित हैं पर सैनिक चौकी बनाने का असंभव एवं दुष्कर कार्य वायुसेना की मदद से ही संभव हो पाया । यह चौकी 23 जुलाई 1962 को स्थापित की गई थी ।

आज भारतीय वायु सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले विमानों में क्रमशः मिग-21, मिग-23, मिराज, जगुआर, हंटर, मारुति, कैनबरा, किरण, अजीत जैसे युद्धक विमान, एवरो एच.एस.748, सी-119, सी-47, एंटोनोव-12, डेकोटा जैसे परिवहन विमान और मिग-251 जैसे टोही विमान हैं । चीता, चेतक, आई 4 व एम.आई-8 जैसे हैलीकाप्टर और हवा से धरती पर व धरती से हवा में मार कर सकने वाली विभिन्न खतरनाक मिसाइलें भी वायुसेना के पास हैं ।

सी हैरियर, सी-हॉक, एलिजे जैसे युद्धक विमान सुपर कान्स्टेलेशन 'जैसे गश्ती विमान और किरण वेम्पायर टी-5, हिपेंडर हेवन जैसे विमानों के अलावा सी, किंग, एल एत ह्यूज हेलीकाप्टर आदि से हमारी भारतीय नौ सेना सुसज्जित है ।

आज हमारी वायुसेना की गिनती संसार की श्रेष्ठतम वायुसेनाओं में की जाती है । इस मुकाम पर पहुंचने में वायुसेना ने 62 वर्षों का लंबा सफर तय किया है ।

ग्वालियर

आपकी आवाज

सर्विसिंग की समस्या

मेरे पास अवन्ती गरेली (आटोमेटिक गियर) मोपेड है । मैं इस वाहन की उचित सर्विस व रख रखाव नियमित रुप से नहीं रख पा रहा हूं । इसके दो कारण हैं । प्रथम तो यह कि मैं हमीदिया रोड स्थित नेशनल इंजीनियरिंग कंपनी तक रोज-रोज जाने में असमर्थ हूं क्योंकि मैं अरेरा कालोनी में निवास करता हूं । द्वितीय यह कि महाराणा प्रतापनगर स्थित एकमात्र अवन्ती गरेली के अधिकृत सर्विस स्टेशन पर संतोष जनक कार्य का अभाव रहता है । यहां समय और धन दोनों की ही बर्बादी होती है ।

कृपया जानकारी दें कि मैं अपने वाहन की उचित देखभाल कहां करवाऊं

• मनोज अग्निहोत्री
गारफील्ड, अरेरा कालोनी,
भोपाल

कला का लोहा तो मानना ही पड़ेगा

ऑटो एडवाइजर के अगस्त सितंबर 94 अंक मन में रोचक आलेख 'राजीव के लिए आसान है किसी भी वाहन का मॉडल बना पाना' (लेखक-संजय पचौरी) पढ़ा । फोटो देखकर यह अनुमान लगा पाना मुश्किल है कि वाहन नकली है । केवल पुट्ठे का प्रयोग कर इतने अच्छे मॉडल बनाना असंभव ही लगता है । इसलिए राजीव की कलाकारी का लोहा तो मानना ही पड़ेगा और इस बात को भी स्वीकार करना पड़ेगा कि यदि मनुष्य निश्चय कर ले तो वह सब कुछ कर सकता है ।

इसके साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि बच्चे की रुचियों का ज्ञान घर के लोगों को होना चाहिए । वह जो करना चाहता है उस पर अपनी महत्वाकांक्षाएं, अथवा बड़ापन नहीं लादना चाहिए । राजीव जैसे न जाने कितने कलाकार अंधकार में होंगे जरुरत है इन्हें रोशनी में लाने की और इनकी कला को प्रोत्साहन देने की ।

• ब्रजेश शर्मा
(ग्रंथपाल) एच.एफ.डब्लू.टी.सी.
सिटी सेंटर, ग्वालियर

मंदसौर प्रतापगढ़ बायपास मार्ग बनाया जाए

मंदसौर के सर्वाधिक व्यस्त मार्ग सदर बाजार से होकर प्रतापगढ़ जाना पड़ता है । यही एकमात्र मार्ग है जो सदा यातायात से अवरुद्ध रहता है । यह देखते हुए मंदसौर प्रतापगढ़ बायपास मार्ग के निर्माण की आवश्यकता महत्वपूर्ण हो जाती है । यह भी निर्विवाद सत्य है कि जब तक प्रतापगढ़ के लिए बायपास मार्ग नहीं बनाया जाता तब तक मंदसौर की जनता, वाहन चालक व यात्रियों को ही नहीं बल्कि सदर बाजार के व्यवसाईयों व निवासियों को भी इस भारी परेशानी से छुटकारा नहीं मिल सकता ।

• प्रद्युम्न व्यास
अनूप नगर मंदसौर

भारत की लड़खड़ाती वित्तीय स्थिति
विश्व बैंक की चेतावनी

वाशिंगटन । विश्व बैंक ने भारत को उसकी मौजूदा राजकोषीय स्थिति के खतरनाक परिणाम से आगाह किया है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंद्ध विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के पहले तीन वर्ष में जो राजकोषीय प्रगति हुई थी वह 1994 के वित्त वर्ष में ओझल हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार केन्द्र सरकार के सुधार कार्यक्रमों के पहले दो वर्ष में राजकोषीय घाटे में कमी आई । यह घाटा 1991 में सकल घरेलू उत्पादन जीडीपी का 8.4 प्रतिशत था जो 1992 और 1993 में क्रमशः 6.0 और 5.7 प्रतिशत रह गया था । लेकिन राजस्व में कमी और व्यय में अधिकता के कारण वित्तीय घाटा फिर ज्यादा होकर सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित 7.3 प्रतिशत हो गया जबकि अनुमान 4.7 प्रतिशत का था ।

अलबत्ता बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के विदेशी चालू और पूंजीगत खाते में आशातीत बढ़ोत्तरी हुई। चालू खाते में घाटा 1991 में दस अरब डालर, जी.डी.पी. का 3.5 प्रतिशत था जो 1994 में 0.8 अरब डालर, जीडीपी का 0.3 प्रतिशत रह गया जबकि इस दौरान निर्यात 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा था और आयात लगभग स्थिर रहा । रिपोर्ट के अनुसार मुख्यतः पोर्ट फोलियों पूंजी निवेश के जरिये विदेशी पूंजी निवेश में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी हुई । मुद्रा स्फीति की दर अगस्त 1991 में 17 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, लेकिन 1993 के मध्य में यह गिरकर लगभग 7 प्रतिशत रह गई थी लेकिन इसकी दर फिर से बढ़ने लगी है और गत अप्रैल में यह दस प्रतिशत को पार कर गई ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्यों के साथ राजस्व की सहभागिता तथा राज्य विक्रीकर के क्षेत्रों में समस्यायें बनी हुई हैं। बहरहाल पर्यावरण के क्षेत्र में भारत ने कठिन समस्याओं से जूझने में काफी सफलता अर्जित की है । रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अपेक्षाकृत कम समय में अपनी कई समस्याओं से निबटने के लिये कानूनी ढांचे तैयार किये, संस्थान स्थापित किये और कार्यक्रम लागू किये। हालांकि इन प्रयासों से अपेक्षित नतीजे मिल रहे हैं लेकिन उपलब्ध संसाधन जरूरत से कम हैं । अलबत्ता रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण मंत्रालय केवल वन संरक्षण, वन्य जीव एवं जैव विविधता, कुल व्यय का लगभग 70 प्रतिशत तथा पर्यावरण प्रदूषण कुल व्यय का शेष प्रतिशत पर ही विशेष ध्यान दे रहा है । मंत्रालय का 1987 में व्यय एक अरब तीस करोड़ रुपये था जो 1994 में बढ़ कर तीन अरब 70 करोड़ रुपये हो गया ।

कूड़े के ढेर पर टायरों का कचरा

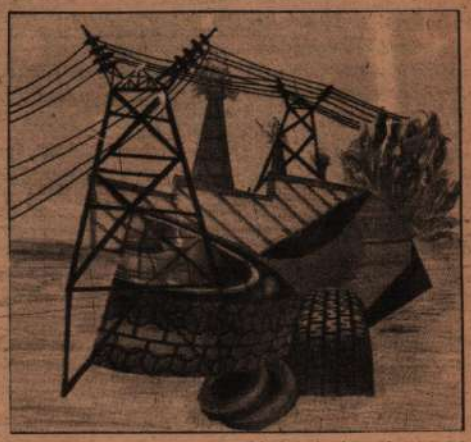

दुनिया के हर छोटे बड़े देश को एक एक करके रौंदती जा रही आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति की आंधी अपने पीछे अनेक नई समस्यायें छोड़ी चली जा रही है। हर रोज नई वस्तुओं के बढ़ते उपयोग के बाद बचे रहने वाले अवशेष कचरे का निपटान इन्ही समस्याओं में से एक है।

उदाहरण के लिये यूरोपियाई कमीशन यूरोप में हर रोज बढ़ते चले जा रहे कचरे के पहाड़ से चिंतित है और प्राथमिकता के आधार पर ऐसे अध्ययन कर रहा है या करवा रहा है जिनसे विशिष्ट प्रकार के कचरे के निपटान की समस्या का कोई हल निकाला जा सके। इसी उद्देश्य से नीदरलैंड के अनुप्रयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन के अंतर्गत कार्यरत प्लास्टिक और रबर रिसर्च इंस्टीट्यूट को योरोप के सबसे बड़े सिर दर्द उपयुक्त टायरों के बढ़ते प्रभाव की समस्या पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिये कहा गया है।

संस्थान की रिपोर्ट एक मायने में बिलकुल निर्विवाद की गई है कि टायरों को कम से कम बदला जाये कंपनियां अधिक मजबूत टायर बनाये चालक उन्हे देर तक चलाये, सरकारें ऐसे नियम बनाये कि कारें धीमे चले और कम से कम चले ताकि टायर कम घिसे। स्पष्ट है कि पंक्तियों में निहित अर्थ उपभोक्तावादी संस्कृति के पक्ष में बिलकुल भी नहीं है।

उल्लेखनीय है कि हमारा देश अभी तक इस समस्या से गंभीर रूप से आक्रांत नहीं है किंतु क्या उपभोक्तावादी संस्कृति का अंधानुकरण करते हम कल ऐसी समस्याओं से बचे रह सकेंगे।

नई सड़क नीति को अंतिम रूप

नई दिल्ली (वा.) । सरकार ने एक नई सड़क नीति को अंतिम रुप दिया है । इस नीति के तहत निजी क्षेत्रों को आकर्षित किया जायेगा और लागत वसूली सुनिश्चित की जायेगी ।

भूतल परिवहन मंत्रालय ने परिवहन मार्गों पर पेट्रोल पंप, होटल तथा व्यावसायिक परिसर खोलने के लिये उद्यमियों के सामने प्रस्ताव रखा है ताकि दो-तीन वर्षों के भीतर लागत वसूल हो सके ।

इसके अलावा पूंजी निवेश करने वाले लोगों को कर में रियायतें भी दी जायेंगी तथा अन्य सुविधायें भी दी जायेंगी । मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं का पता लगाया है और उनका प्रस्ताव भी किया है । इनमें नौ द्रुत परिवहन, आठ बाई पास तथा नौ पुल शामिल हैं । मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार उद्यमियों ने इसमें काफी दिलचस्पी दिखाई है और उम्मीद है कि वे जल्द ही काम शुरु कर देंगे ।

मलेशिया, सिंगापुर, इंग्लैंड, हांगकांग, कनाडा तथा अमरीका से कई प्रतिनिधि मंडल भारत आये और उन्होंने राजमार्ग परियोजनाओं में काफी दिलचस्पी दिखाई ।

पिछले दिनों मलेशिया की एक कंपनी ने दस हजार किलोमीटर लंबे परिवहन मार्ग के निर्माण की योजना को अपने हाथ में लेने के लिये काफी उत्सुकता प्रकट की । यह मार्ग देश के चारों महानगरों तथा अन्य नगर केन्द्रों को जोड़ेगा । इस तरह कुल खर्च 60,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है । इस योजना को लागू होने के लिये अभी औपचारिक रुप देना है ।

सरकार ने प्रवासी भारतीय, विदेशी पूंजीनिवेशकों आदि की भागीदारी के लिये कदम उठाये हैं । उन्हें राजमार्गों तथा पुल आदि को बनाने की अनुमति दी जायेगी ।

सड़क विकास के महानिदेशक डॉ. डी.पी. गुप्ता के अनुसार 20 वर्षीय सड़क, विकास योजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग को 66,000 किलोमीटर पूरा करने का लक्ष्य है । अभी राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 34,058 किलोमीटर है । अब 31,942 किलोमीटर लंबा मार्ग और बनाना है ।

एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट के अनुसार दस हजार किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की बेहद जरुरत है। साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार लेनें बनाने, रास्ते के पुलों की मरम्मत आदि करने के लिये 52,000 करोड़ रुपये की जरुरत हैं ।

जबलपुर (वा.)। अखिल भारतीय सायकिलिंग चैंपियनशिप इस वर्ष जबलपुर के रविशंकर शुक्ल स्टेडियम पर आयोजित होगी । 20 से 26 नवंबर को इसका आयोजन होगा ।

विश्व का सबसे छोटा विमान

विश्व का सबसे छोटा विमान रुस में है । इस विमान की कुल लम्बाई 3 मीटर, ऊंचाई 1 मीटर और वजन 176 किलोग्राम है । यह छोटा विमान एक यात्री के साथ 42 किलोमीटर से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ सकता है ।

बिकाऊ है उड़ने वाला ताजमहल ..... !

ओटवा । जी हां : उड़ने वाला ताजमहल बिकाऊ है । कनाडा की लिबरल सरकार इसे बेचना चाहती है । इसके लिए विश्व की चर्चित हस्तियों को इस ताजमहल के विक्रय की सूचना भी भेजी गई है । सूचना के साथ इस ताजमहल के बारे में महत्वपूर्ण विशेष जानकारी भी दी गई है ।

दरअसल यह 'उड़ने वाला ताजमहल' पूर्व प्रधानमंत्री ब्रायन मलरोनी का सर्वसुविधा संपन्न, एक आलीशान विमान है, जिसे 'उड़ने वाले ताज' की संज्ञा से अलंकृत किया गया है ।

ब्रायन मलरोनी ने यह विमान 1992 में खरीदा था । 3 करोड़ 60 लाख डॉलर के इस विमान पर 25 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च करके इसमें अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं । मनोरंजन के समस्त साधन एवं संचार व यातायात के अत्याधुनिक उपकरण इसमें लगे थे । यह विमान क्रमशः वी.आई.पी. लॉज, आलीशान बैडरुम, भोजन कक्ष, रसोईघर इत्यादि अनेक सुविधाओं से सुसज्जित था ।

सर्वाधिक आश्चर्य की बात तो यह है कि मलरोनी इस विमान का कभी इस्तेमाल ही नहीं कर पाये । लिबरल पार्टी ने चुनाव जीतने के बाद इस विमान को अवांछित फिजूलखर्ची बतलाकर एक तरफ रख दिया ।

रोजगार गारंटी योजना को स्वीकृति

नई दिल्ली (वा) । प्रधानमंत्री पी.व्ही. नरसिंहराव ने रोजगार गारंटी योजना को देश के 501 और ब्लाकों में लागू करने की स्वीकृति दे दी है । अब यह योजना 1778 ब्लाकों की बजाय 2279 ब्लाकों में लागू की जाएगी । यह संख्या देश के कुल ब्लाकों की 40 प्रतिशत है ।

इस योजना के तहत खेती बाड़ी के काम से फुर्सत के दौरान किसानों को 100 दिन रोजगार उपलब्ध कराना है ।

आपके लिए

सदस्यता हेतु पत्र

मैं ऑटो एडवाइजर पत्र का नियमित ग्राहक बनना चाहता हूं अतः कृपया मुझे माह ----------से माह ---------तक की सदस्यता प्रदान करें।

- ☐ एक वर्ष के लिए शुल्क 30 रुपये
- ☐ दो वर्ष के लिए शुल्क 50 रुपये
- ☐ पांच वर्ष के लिए शुल्क 126 रुपये

आवश्यक शुल्क रुपये ----------का बैंक ड्राफ्ट/चेक क्रमांक ----------संलग्न है।

नाम _____

पूरा पता _____

_____

पिन कोड _____

पत्र इस पते पर भेजें :-

संपादक

ऑटो एडवाइजर

D-13, सैवॉय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स

E-8, अरेरा कालोनी भोपाल -16 (म.प्र.)

मोटर साइकिल से भारत भ्रमण

यूं तो महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी विजय पताका फहराकर पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर, यह सिद्ध कर दिखाया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। श्रीमती रंजना रिंगे एक ऐसी ही महिला है जिन्होंने इन्ड-सुजुकी मोटर साइकिल से संपूर्ण भारत की यात्रा की ओर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

श्रीमती रंजना रिंगे अपनी सुजुकी के साथ।

श्रीमती रंजना रिंगे का सबसे पहला अभियान ट्रान्स हिमालयन मोबाईक साहसिक यात्रा था। जिसके अंतर्गत नागपुर से वाराणसी से पटना होते हुए पूर्व में अरुणाचल प्रदेश के बोमाडिंग से पश्चिम मे देह लद्दाख तक की १६,००० कि. मी. की यात्रा हुई थी। इस यात्रा में भूटान, नेपाल, सिक्कीम, गंगोत्री, यमनोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, नेनीताल, शिमला, वैष्णोदेवी, राजस्थान एवं विश्व की सबसे ऊंची सड़क खार दुगला (लद्दाख) भी शामिल थे।

इस यात्रा में पांच गाड़ियां और दस सदस्य थे जिसमें श्रीमती रिंगे की बेटी अमराजा भी शामिल थी लेकिन भूटान में दो गाड़ियां खराब हो जाने के कारण अभियान दल के चार सदस्यों को बीच में ही लौटना पड़ा। रास्ते में एक अन्य गाड़ी खराब होने पर अमराजा को वापस लौटना पड़ा। उसने लौटते समय अपनी मां का हौसला बढ़ाते हुए कहा था कि मम्मी मैं तो वापस लोट रही हूं लेकिन तुम यह अभियान को पूरा करके ही वापस लौटना। बेटी की इसी बात ने श्रीमती रिंगे को अभियान सफल करने की शक्ति प्रदान की। इस अभियान की सफलता के लिए श्रीमती रिंगे को गिनीज बुक ऑफ दी वर्ल्ड रिकार्ड ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया था।

श्रीमती रिंगे अपने चर्चित अभियान 'सागर मोहनी' के बारे में बतलाती है कि 'सागर मोहनी' अभियान में तीन महिलाएं एवं तीन पुरुष थे यह यात्रा भी दो पहियां मोटर साईकिल इंड सुजुकी १०० सी.सी. पर की गई। इस यात्रा का शुभारंभ नागपुर के यशवंत स्टेडियम से ९ सितम्बर ९० को किया गया था। सागर माहिनी का प्रथम चरण था नागपुर से गंगा सागर। दोपहर को जब यह दल भंडारा पहुंचा तो वर्षा रानी ने जोरदार स्वागत किया। रायपुर तक मौसम ऐसा ही था। रायपुर से देवगढ़ के बीच घना जंगल था शाम ढल गयी थी और रात का अंधकार क्रमशः गहराता जा रहा था ऐसे में इस दल के एक सदस्य वाडपांडे की इंड सुजुकी का कैरियल टूट गया था दल जब देवगढ़ पहुंचा, तो चारों और सन्नाटा छाया हुआ था। घरों में जलती रोशनी गांव का आभास दे रही थी। दल के सदस्यों को एक जगह आग दिखाई दी।जो सभी लोग उस ओर चल दिये। आग के पास कोई नहीं दिखाई दे रहा था आग की गर्मी से हम लोगों ने अपनी सर्दी को तो कुछ देर के लिए दूर कर लिया। फिर दल के सदस्यों ने गांव में जाकर कई घरों के दरवाजे खटखटाये, तब कहीं जाकर एक दरवाजा खुला। जब मैंने अन्दर देखा तो दरवाजा खोलने वाले के पीछे घर के सभी सदस्य हथियारों से लैस खड़े थे। दरअसल डाकूओं के भय से त्रस्त गांव वाले अनजान व्यक्तियों पर बिल्कुल भरोशा नहीं करते थे। खैर किसी तरह गांव वालों ने हम लोगों के रहने की व्यवस्था कर दी। सुबह जब मैंने आग के बारे में पूछा तो मालूम हुआ कि जिस आग के पास खड़े होकर हाथ सेके थे वह आग चिता की आग थी।

उड़ीसा राज्य का जशीपुर में जो देवगढ़ से लगभग ३० कि.मी. की दूरी पर है एक छोटा सा घाट पड़ता है। यह घाट है तो छोटा लेकिन है बड़ा सुहाना है। हम लोगों ने जशीपुर का सफर दिन में ही तय किया था क्योंकि यहां कि पुलिस के निर्देश थे कि प्रायः यहां सफर वाहनों के काफिले से तय होता है क्योंकि इस मार्ग पर डाकूओं का ऊधम अधिक है।

कलकत्ता से गंगा सागर १२० कि.मी. दूर है। गंगासागर जाने के लिए केवल एक दिन सक्रांति के समय ही रास्ता रहता है इसी लिए सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार' कहा जाता है। यहां कपिल मुनी, गंग की गोद मे बैठे भागीरथ तथा सागर देवत की मूर्तियां एक देवालय में स्थापित है। गंगासागर की रेत बहुत ही महीन होती है जिस पर मोटर साइकिल चलाने का एक अलग ही आनन्द होता है। गंगासागर से यह दल, बालासोर पहुंचा राष्ट्रीय राजमार्ग के गेस्ट हाऊस में इस दल के रहने की व्यवस्था की गई थी। दूसरे दिन हम लोग भुवनेश्वर गये यहां के प्राचीन मंदिर देख कर कोणार्क के लिए अग्रसर हुए। कोणार्क सूर्य मंदिर विश्वविख्यात है। अभियान दल कोणार्क से बालूगांव, चिलका झील होते हुए गोपालपुर पहुंचा। गोपालपुर बोटिंग के लिए प्रसिद्ध है। हमारा अगला पड़ाव था विशाखापट्टनम यहां का सागर तट बहुत सुन्दर है यहां से अभियान दल मद्रास के लिए अग्रसर हुआ। रास्ते में अन्ना बरम पड़ता है। जहां ब्रह्मा, विष्णु, महेश का एक टीले पर दर्शनीय मंदिर है मंदिर पूर्णतया सफेद पत्थरों का बना है।अभियान दल के सदस्यों ने मोटर साईकिलों की सर्वीसिंग मद्रास में करवाई। वहां से चलकर अभियान दल त्रिचना पल्ली होते हुए रामेश्वरम पहुंचा। रमेश्वरम में रामनाथ स्वामी मंदिर द्रविड़ वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। यहां का सागर तट अग्नितीर्थ मंदिर गंधमादन पर्वत, मंडपम, कुरुसदई, दीप आदि देखकर दल मदुरई होता हुआ कन्याकुमारी पहुंचा। कन्याकुमारी भारत भूमि का एक छोर है। कन्या कुमारी मे सूर्योदय देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है यहां तीन सागरों का मिलन होता है। अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी। यहां का विवेकानंद रॉक मेमोरियल समुद्र में एक ऊंचा विशाल चट्टान पर बना अनुपम वस्तुकला का नमुना है। कन्या कुमारी में सागर मोहनी अभियान दल का दूसरा चरण समाप्त हुआ और यह दल त्रिवेन्द्रम की ओर बढ़ा। त्रिवेंद्रम मे पद्मनाभ मंदिर, मेन्नन मणि, कुलकुल पैलेस,दर्शनीय स्थल है यहां से दल कोचीन पहुंचा। कोचीन में बंगड्डी पैलेस, डच पैलेस, चर्च ऊद्धनचेरी पैलेस के तलचित्र तथा राजघराने के शाही सामान दर्शनीय है।

अभियान दल कर्नाटक से गोवा के मध्य रास्ते में समुद्र पर बनी सड़कों से गुजरा। लगातार सागर का साथ होने से सफर में थकान महसूस नहीं होती। सागर के साथ ही सड़क होने से मोटर साईकिले चलाते वक्त दल के सदस्यों को सागर परिक्रमा करने की अनुभूति हुई। पश्चिम सागर तट से यह अभियान दल कोंकण पार करता हुआ गणपति पुले पहुंचा वहां श्रीमती रिंगे मोटर साईकिल एक जीप से टकरा गयी श्रीमती रिंगे के हाथ पैरों में मामूली चोट आयी। महाड़ होता हुआ यह दल बंबई पहुंचा। बंबई से सूरत, भावनगर, महुआ, सोमनाथ पहुंचता है यहां सफेद रेत तथा सागर तट से लगे रास्ते अभियान दल के सदस्यों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां सोमनाथ मंदिर विश्व के १२ सर्वश्रेष्ठ मंदिरों में से एक है।

सोमनाथ के बाद अगला मुकाम 'द्वारका' समुद्र तट पर बसी पौराणिक महत्व की प्रसिद्ध नगर है। द्वारका के रास्ते पर हरिसिद्ध का मंदिर है यह से अभियान दल अपने अंतिम चरण कांडला होते हुए धुले और फिर नागपुर पहुंचा। यह यात्रा १०,००० कि.मी. की थी एवं दल के सदस्यों ने १६ अक्टूबर को ३६ दिनों की लम्बी यात्रा पूरी की। श्रीमती रिंगे की सुपुत्री अमराज का पुनः शामिल हो गई थी।

श्रीमती रिंगे एक अनोखी यात्रा के बारे में बतलाती हैं कि नागपुर से राजस्थान, राजस्थान से वैष्णोदेवी, अजमेर पुष्कर होते हुए वापिस नागपुर तक यह अनोखी यात्रा बजाज स्कूटर से मैंने अपने पति लेफ्टिनेंट कर्नल अनिल रिंगे के साथ की थी। इस यात्रा में १५ दिन का समय लगा था। श्रीमती रिंगे की पांच वी यात्रा का नाम 'पंचम उत्र पूर्वी इंडिया मौथिक एक्सप्रेडिसन' था। इस मोटर साईकिल अभियान दल का शुभारंभ हुआ मणिपुर मिझोरम, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड जैसे पहाड़ी इलाकों से होते हुए २५ जनवरी को ३० दिन की यात्रा ७,००० कि.मी. की यात्रा समाप्त हुई इन सभी मोटर साईकिल अभियानों का नेतृत्व श्रीमती रिंगे ने स्वयं किया था।

श्रीमती रिंगे यात्रा के अनुभवों का सार बतलाती है कि मैंने दो पहियां गाड़ियों से सारे भारत का भ्रमण किया। इस भ्रमण में अनेक लोगों से मुलाकात हुई। अनजाने रास्ते और अनजाने लोग सारे ही अपने से लगने लगे। इतना घूमने के बाद अवश्य यह महसूस किया की इतनी विविधता के बावजूद भारत में समानता है और वो है 'इंसानियत' पुष्कर के मंदिरों में जितना सकून पाया उतना ही ख्वाजा साहाब की दरगाह पर। मुझे ऐसा महसूस होता है कि लोग जितना घूमेंगे एक दूसरे से मिलेंगे उतना ही हम एक दूसरे के करीब आएंगे, भारत भ्रमण करने के बाद में मुख से यही निकलता है सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तॉन हमारा'

एम. आर. अन्नयर

एक हेलीकाप्टर के निर्माण का सपना

उस युवक का सपना है कि स्विनर्मित हैलीकाप्टर उड़ाना। वह है तो गूंगा एवं बधिर लेकिन आत्मविश्वास गजब का है उसमें।

दुर्घटना से देर भली

थौमस सजि केरल के तोड्पुषा के निवासी है घर के आंगन में उसने एक हैलीकाप्टर का निर्माण कर रहा है। देखने वालो को तमाशा लेकिन २४ साल के सजि को पूरा भरोसा है कि एक दिन अपना हैलीकाप्टर आसमान में जरूर उडेगा।

थोमस -मेरी दम्पति के कनिष्ट पुत्र है सजि। थोमस भूतपूर्व सैनिक है। सजि ने अपने प्रथमिक शिक्षा के लिये तलयोपरम्बु के अंध बधिर विद्यालय में शामिल किया गया लेकिन वह बड़ा नटखट था इसलिये आगे पढ़ने में उसने मुश्किल महसूस की और उसे स्कूल छोड़ना पड़ा।

पढ़ाई खत्म होने के बाद वह १२ साल की उम्र में घर छोड़कर लाटरी टिकट बेचना शुरू किया। बीच में अक्सर घर जाया करता करीब तीन वर्ष के बाद वह घर वापस आया तब से वह इस हेलीकाप्टर निर्माण में व्यस्त है। पास के रबड़ एस्टेट्ट में दबा छिड़कने का काम आने वाले हैलीकाप्टर को देखकर उसे इसकी प्रेरणा मिली।

सजि ने हेलीकाप्टर निर्माण की कई कीमती किताबें खरीद ली हैलीकाप्टर के विविध चित्र देख पढकर सजि ने पहला माडल बनाया। इसेक लिये अलुमिनियम पाइप, फाइबर ग्लास धातु का उपयोग किया । करीब ८ हजार रू. खर्च किये उसने। यह पूंजी लाटरी बेचने से इकट्ठा हुई थी। कुछ मित्रों ने भी सहायता की। दो सीट वाला हैलीकाप्टर के बाडी बनाने में ८ महीने लगे। फिर इंजन खरीदने के लिय एक मित्र के साथ बंबई गये। लेकिन एक पुराना इंजन का दाम भी दो लाख रूपये सुनकर खाली हाथ वापस आना पड़ा।

अपने सपने की सफलता के लिये एक नोकरी करने की आवश्यकता सजि को हुई और इसके लिये वह खोज करने लगा। उसने नोकरी के लिये एक आवेदन तैयार किया अपने हेलिकाप्टर की फोटो भी संलग्न करके उसने प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के नाम भेजा। नई दिल्ली के एयर फोर्स के सिविलियन अधिकारी से उत्तर मिला एस.एस.एल.सी. पास करना जरूर है। हताश होकर सजि ने उस हेलिकाप्टर को छिन्न भिन्न कर डाला।

सजि परास्त होने के लिये तैयार नहीं था। २० महीने बाद उसने दूसरे हैलिकाप्टर का निर्माण शुरू किया। इस बार उसने एक सीट की बाडी बनाई। जिससे खर्च भी कम हुआ। पहले माडल के वस्तुओं का ही उसने उपयोग किया। कुल खर्च २९० रू. का आया। अब उसे इंजन चाहिये। सजि को विश्वास है कि फारिन मोटोर बाइक का इंजन से काम चल जावेगा। सजि को विश्वास है कि हेलिकाप्टर अगले वर्ष उड़ान भर रहा होगा।

परिवार वालों को सजि के इस प्रश्न पर कोई तत्परता नहीं। सजि की मां कहते है इससे कोई नौकरी मिलेगा क्या लेकिन अपनी छोटी बहन रूबिन्सि को भाई के कल्पनाओं के प्रति गौरव एवं प्रतीक्षा है। वह हमेशा उसके सहयोग देती है। इस मेहनती युवक का सपना कब सच होगा।

सर्वाधिक बाल मजदूर भारत में !

वाशिंगटन(वा) । विश्व में सर्वाधिक ग्रामीण और शहरी बाल मजदूर भारत में है । इनकी संख्या चार करोड़ 40 लाख से 10 करोड़ तक हो सकती है ।

अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में विश्वस्त सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते बाल श्रम कानूनों को नजरअंदाज कर दिया जाता है । भारत सरकारयह स्वीकार कर चुकी है कि देश में एक करोड़ 75 लाख बाल मजदूर हैं ।

भारत के निर्यात उद्योगों की सही संख्या का पता नहीं है । लेकिनकई बड़े निर्यात उद्योग बाल मजदूरों से काम लेते हैं । इनमें हस्त निर्मित कालीन, जेवरात परपालिश करने , पीतल और ब्रेस मैटल की वस्तुओं का निर्माण, शीशे और उससे बनी वस्तुओं का निर्माण, जूते बनाने, वस्त्र बनाने और रेशम तैयार करने और पटाखों का निर्माण करने से जुड़े उद्योग शामिल है ।

इंजन चालकों के लिए अलार्म घड़ी

मास्को । एक विशेषज्ञ ने इंजन चालाकों के लिए एक विशेष अलार्म घड़ी तैयार की है । यह घड़ी चालक के शरी र के तापमान पर बराबर नजर रखती है । यदि इंजन चालक थका हुआ है और उसे नींद आ रही है तब उसके शरीर का तापमान परिवर्तित हो जाता है और घड़ी उसे नोट कर लेती है । तापमान परिवर्तित होने के साथ ही घड़ी में लगा अलार्म चेतावनी स्वरुप बजने लगता है और इंजन चालक को नींद भगाने के लिए संकेत देता है । यदिचालक की नींद नहीं भागती तो वह घड़ी स्वयं ही इंजन को रोक देती है । इसका प्रयोग ट्राम गाड़ियों व ट्रेनों में किया जा रहा है ।

शब्द-संकेत पर कार्य करने वाली कार

• संजय पचौरी द्वारा

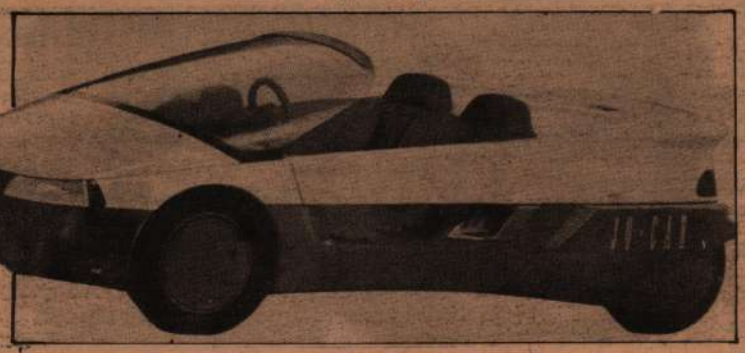

अब जिन कारों का निर्माण आने वाले समय में होगा वह शब्द संकेतों पर कार्य करने वाली होंगी। आप कहेंगे 'खुलजा दरवाजा', कार का दरवाजा खुल जायेगा, आप कहेंगे, मुझे अमुक स्थान पर ले चलो' और कार आपको उस स्थान पर ले पहुंचेगी।

पढ़ने सुनने में तो कल्पना लगती हैं यह बातें,लेकिन शब्द संकेत पर कार्य करने वाली कार के निर्माण में सफलता पा ली गई है। हालांकि यह कार कल्पनाओं की उड़ान की तुलना में तो बहुत पीछे है लेकिन आज की अत्याधुनिक कारों के मुकाबले कहीं अधिक आगे है।

शब्द संकेत पर कार्य करने वाली कार को भविष्य की कार की संज्ञा दी जाए तो गलत न होगा। यह कार आम कारों जैसी नहीं होगी। इस कार का आकार एक लड़ाकू विमान(नेट)की तरह का है। इसमें नेट के समान ही छोटे छोटे पहिये लगे हुये हैं। इस कार की बाडी धातु की नहीं बल्कि विशेष प्रकार के प्लास्टिक से बनी हुई है। इलेक्ट्रानिक गीयर वाली यह कार अपने आप में असंख्य विशेषताएं समेटे हुये है।

यह तो आप जान ही गए हैं कि यह शब्द संकेतों पर कार्य करने में सक्षम है। क्योंकि इसमें लगा है एक शक्तिशाली कम्प्यूटर।यह कम्प्यूटर आपकी आवाज में निर्देश पाकर सारे कार्य स्वयं ही करने में समर्थ है। इस कार के न तो स्टार्ट होने की आवाज आती है और न ही उसके दौड़ने की। यह बिना शोर शराबे के १५० मील प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। बैठने के लिये पर्याप्त स्थान वाली इस कार में न तो स्टेयरिंग है और न ही किसी प्रकार के गीयर स्वच एक्सीलेटर लीवर ही। हां! किसी अंतरिक्ष यान की भांति इसमें तरह तरह के रंग बिरंगे स्विच अवश्य लगे हुये हैं। यदि कार की रफ्तार देखकर आपको घबराहट होने लगे और सिर चकराने लगे तो एक स्विच दबाइये। कार का पारदर्शी ऊपरी हिस्सा इस स्विच के दबाते ही अपारदर्शी हो जाता है और आपको रफ्तार से पीछे भागती वस्तुएं दिखना बंद हो जाती हैं। टेलीविजन देखना हो, रेडियो सुनना हो या किसी को फोन करना हो, आपको कार से बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं। बस,स्विच बोर्ड पर उंगलियां नचाते जाइये, पल-पल में आपके आदेशों का पालन होगा। कार के अंदर आप अपनी इच्छानुसार रोशनी गर्मी व ठंडक घटा या बढ़ा सकते हैं। चूंकि कार शब्द संकेतों पर कार्य करने वाली है तथा कम्प्यूटराइज्ड है अतः आप निश्चिंत होकर मित्रों से बात कर सकते हैं, ताश खेल सकते हैं, पुस्तक पढ़ सकते हैं। इस कार मे एक सर्वदर्शी यंत्र अर्थात् राडार भी लगा हुआ है, जो कार का मार्गदर्शन करता है और संदेशो का प्रसारण तथा संग्रहण का कार्य भी करता है। इस राडार के लगे होने के कारण ही कार के दुर्घटना ग्रस्त होने की संभवनाएं न के बराबर हैं। राडार कार के कम्प्यूटर को राह में पड़ने वाली बाधाओं आदि की जानकारी देता है और उनसे बचने में मदद करता है।

इस कार के इंजन के बारे में आप सोच रहे होंगे। इस कार के इंजन ने कार का सिर्फ पांचवां भाग ही घेरा है। शेष भाग में ऐशोराम की सारी सुविधाएं लगी हुई है। इसका इंजन आम कारों के समान 'इंटर्नल कंबशन इंजन' नहीं है। यह कार पेट्रोल, डीजल या अन्य किसी प्रकार के ईंधन से नहीं चलती, इसका इंजन बिजली चलित है। यही इस कार की सबसे बड़ी खूबी कही जा सकती है और सबसे बड़ा दोष भी। क्योंकि इस कार के निचले भाग में एक एरियल लगा हुआ है। यह एरियल सड़क पर बिछे बिजली के तारों से आवश्यक शक्ति ग्रहण कर कार के इंजन तक पहुचायेगा तब यह कार चल सकेगी। यानी इस कार को चलाने के लिये सड़क के नीचे बिजली के तार बिछाना अनिवार्य होंगे। बिना बिजली के यह बेकार पड़े डिब्बे से अधिक नहीं होगी।

पेट्रोल क्या है ?

पेट्रोल वाहनों में ईंधन के रुप में प्रयुक्त किया जाता है । आधुनिक युग में पेट्रोल बड़े महत्व का द्रव है । यदि एक घंटे के लिए विश्व में पेट्रोल की आपूर्ति बंद कर दी जाए तो सारे संसार में एक ठहराव सा आ जाएगा और पेट्रोल पंपों पर लंबी - लंबी कतारें लग जाएगी ।

पेट्रोल मुख्यतः दो प्रकार से प्राप्त होता है । एक तो प्रकृति के द्वारा निर्मित स्त्रोतों से और दूसरा, वैज्ञानिकों द्वारा बनाया हुआ ।

प्राकृतिक पेट्रोल – पेट्रोलियम अर्थात् चट्टानी तेल से पेट्रोल प्राप्त होता है। चट्टानी तेल बनने में लाखों वर्ष लग जाते हैं । समुद्र के तल में जमा पौधों और मृत जानवरों के अवशेष धीरे - धीरे मिट्टी और कीचड़ में दबते जाते हैं । लाखों टन भार की मिट्टी व कीचड़ के अत्यधिक दबाव के कारण यह अवशेष ठोस रुप धारण कर चट्टानों में परिवर्तित हो जाते हैं । इन चट्टानों के छिद्रों में मृत जानवरों व पौधों के रस का जमाव हो जाता है । यह चट्टानें कई वर्ष बाद पृथ्वी के भाग के रुप में सामने आ जाती हैं और चट्टानों में एकत्रित काला तरल पदार्थ जमीन पर आ जाता है । यह कच्चा तेल कहलाता है । इसमें पेट्रोल, नैफ्था, केरोसीन, डीजल, अलकतरा आदि चीजें निकलती हैं । तेल शोधक कारखानों में इन सभी को अलग अलग तापमान पर गर्म कर पेट्रोल अलग प्राप्त कर लिया जाता है ।

कृत्रिम पेट्रोल– वैज्ञानिक विधि द्वारा तैयार किया जाने वाला पेट्रोल कृत्रिम पेट्रोल कहलाता है । इस प्रकार पेट्रोल प्राप्त करने की तीन विधियाँ हैं । पहली विधि में विटुमिनी, कोयला अथवा लिग्नाइट को शुरु में तेल मिलाकर 450 से. ग्रे. तक गर्म किया जाता है । उसके बाद हाइड्रोजन मिलाकर पेट्रोल प्राप्त कर लिया जाता है । दूसरी विधि में कोयले को जल गैस बनाकर उसमें कार्बन मोनो ऑक्साइड एवं हाइड्रोजन के मिश्रण को कुछ धातुओं के ऑक्साइडों की उपस्थिति में काफी दबाव में मिलाया जाता है और पेट्रोल प्राप्त कर लिया जाता है ।

इन विधियों से प्राप्त पेट्रोल बहुत महंगा होता है ।

(पृष्ठ-1 का शेष)

दुपहिया सवारों के लिए हेलमेट अनिवार्य होगा

और सख्त कदम उठाने को कहा जा रहा है।

श्री टाइटलर ने बताया कि देश भर में सड़क दुर्घटना मे मरने वाले किसी भी व्यक्ति के परिवार को पचास हजार रुपए का न्यूनतम मुआवजा देने का कानून संसद ने पारित कर दिया है और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा । उन्होंने कहा कि मुआवजे की रकम पचास हजार रुपए से लेकर अधिकतम कुछ भी हो सकती है ।

श्री टाइटलर ने जानकारी दी कि अब ड्राइविंग लाइसेंस एक ही बार में पचास वर्ष की उम्र के लिए बन जाया करेगा । किसी को भी लाइसेंस का हर पांचवे वर्ष नवीनीकरण नहीं कराना होगा। लाइसेंस पचास वर्ष की आयु तक वैध रहेगा, लेकिन पचास वर्ष की उम्र के बाद हर व्यक्ति का अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराना होगा और तब उसे अगले पांच वर्षों के लिए लाइसेंस जारी होगा । पचास वर्ष की आयु के बाद हर पांचवें वर्ष मेडिकल जांच के बाद अगले पांच वर्ष के लिए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाएगा ।

आवश्यकता है

देश भर में संवाददाताओं, प्रतिनिधियों, प्रसार व विज्ञापन सहायकों की आवश्यकता है ।

संपूर्ण विवरण सहित लिखें।

संपादक

ऑटो एडवाइजर

डी – 13, सेवॉय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स,

ई–8, अरेरा कालोनी, भोपाल

HER AUTOMOBILES

Lucas Indian Service

All Four wheelers on the road, off the road

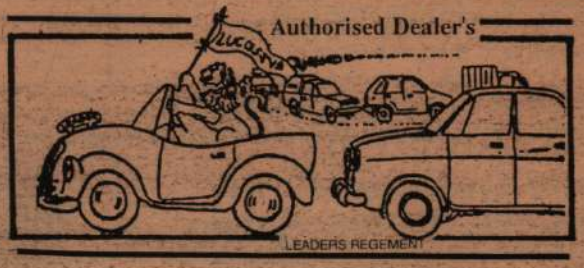

Deal in auto Electrical Services, Battery, Fuel Pumps, fan Belts, Bulb & Horn.

2, Wakf Complex, Categorised Market, New Kabadkhana Road, Bhopal – 462 018

PH. (O) 533886 (R) 588815

बैरागढ़ में सड़कों का डामरीकरण

भोपाल । राजधानी की उपनगरी बैरागढ़ में खस्ताहालत सड़कों का डामरीकरण का कार्य इंका नेता नारीमल नरियानी के प्रयासों से आरंभ हो गया है । इसके लिए बैरागढ़ की जनता ने नगर निगम प्रशासक एस.के. वशिष्ठ और निगम आयुक्त डी.के. व्यास के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

मेटाडोर ऑनर्स यूनियन के चुनाव संपन्न

भोपाल । लोकल मेटाडोर आनर्स यूनियन के चुनाव संपन्न हुए जिनमें नासिर खान अध्यक्ष चुने गए । अन्य पदाधिकारियों में सचिव मो. अकबर खान, उपाध्यक्ष सुभाष पवार, कोषाध्यक्ष इकबाल भाई को चुना गया ।

दीपावली और नववर्ष ९५

पर अपने मित्र-परिचितों, शुभचिन्तकों को शुभकामनाएं प्रेषित करें।

अत्यंत कम दर पर

शुभकामना पत्र छपवाएं।

- रु. ५० से रु. ५०० में १०० आकर्षक शुभकामना पत्र एवं
- रु. १५० में १०० पॉकेट कैलेण्डर छपवाएं।

मिलें या संपर्क के लिए १५ पैसे का पोस्टकार्ड डालें :-

विजय,
४/४०, रविशंकर नगर,
भोपाल - ४६२०१६

कई महत्वपूर्ण संशोधनों के साथ मोटर वाहन अधिनियम पारित

नई दिल्ली । सरकार ने हर ड्राइवर के लिए यह जरुरी कर दिया है कि दुर्घटना के शिकारकिसी भी व्यक्ति को निकटतम चिकित्सक के पास ले जाए। इसी तरह डाक्टर की भी यह जिम्मेदारी होगी कि वह कानूनी प्रक्रिया संबंधी किसी औपचारिकता का इंतजार किए बगैर सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति का इलाज करे । यह व्यवस्था संसद ने हाल ही में गत माह पास किए मोटर वाहन संशोधन बिल में की है ।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में इस आशय के निर्देश दिए थे । महसूस किया जा रहा था कि सड़क दुर्घटना के कई मामलों मे गंभीर रुप से घायल व्यक्ति तुरंत चिकित्सा नहीं मिल पाने के कारण दम तोड़ देते हैं । भूतल परिवहन मंत्रालय के सूत्रों ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस आवश्यक संशोधन के साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल हुए कई व्यक्तियों की जान बचाई जा सकेगी ।

सूत्रों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं बढ़ने और वाहनों से पैदा होने वाले प्रदूषण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पिछले कुछ समय से सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे रही है । यह भी देखा गया है कि वाहनों का ढांचा और अकुशल ड्राइवरों के वाहन चलाने से भी सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और प्रदूषण बढ़ता है । इस बारे में सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति को अंतिम रुप दिया है जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को मौजूदा 60 हजार की तुलना में सन् 2001 तक घटा कर 25 हजार तक पहुंचाना है । इस उद्देश्य से मोटर वाहन अधिनियम में राज्य और जिला स्तरों पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद् का गठन का प्रस्ताव है ।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को मुआवजा राशि 25 हजार रुपए से बढ़ाकर न्यूनतम 50 हजार रुपए तक कर दी गई है । ऐसा खासकर उन लोगों के हितों के संरक्षण के लिए किया गया है जो दूसरों की लापरवाही का शिकार होते हैं ।

मुआवजे के अलावा मृतक की अंत्येष्टि के लिए भुगतान का प्रावधान भी अधिनियम में किया गया है । नए बिल में यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है यह भी महसूस किया गया है कि दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति की अवस्था समेत कई दूसरी बातों के कारण दावेदार अपना दावा निर्धारित एक साल की अवधि में पेश नहीं कर पाता । इस दिक्कत को दूर करने के लिए अब मामला दर्ज करने की समय सीमा खत्म कर दी गई है ।

फिजूल खर्च से बचें

दीपावली के अवसर पर विज्ञापन दर में 50 प्रतिशत छूट

यदि आप प्रचार चाहते हैं तो आप पम्पलेट अवश्य छपवाइये। छपवाकर बटवाइये।.....पर जरा सोचिये; क्या आपने समय और धन, दोनों की ही हानि नहीं की !

ऑटो एडवाइजर में विज्ञापन दीजिए, झंझटों से मुक्ति पाइये।

आकार	विज्ञापन दर	50 प्र.श. छूट के उपरांत विज्ञापन दर	छूट लाभ
★ पूर्ण पृष्ठ	रु. 5550	रु. 2775	रु. 2775
★ आधा पृष्ठ	रु. 2775	रु. 1387.50	रु. 1387.50
★ चौथाई पृष्ठ	रु. 1387.50	रु. 693.75	रु. 693.75
★ क्लास -I 2 कालम 10 से.मी.	रु. 600	रु. 300	रु. 300
★ क्लास -II 2 कालम 5 से.मी.	रु. 300	रु. 150	रु. 150
★ क्लास - III 1 कालम 5 से.मी.	रु. 150	रु. 75	रु. 75

★ वर्गीकृत (साधारण) मात्र रु. 15 में पच्चीस शब्द
(वाहन खरीदने -बेचने, वाहन किराये पर लेने-देने, ऑटोडील, टूर्स एवं ट्रेवल्स इत्यादि सम्बन्धि ।)

- विज्ञापन अग्रिम भुगतान अनिवार्य है।
- छूट का लाभ तैयार दिए गए विज्ञापन के लिए है।
- रंगीन विज्ञापन हेतु दर का 100 प्रतिशत शुल्क अतिरिक्त देय होगा।
- चेक, ड्रॉफ्ट, आई.पी.ओ. क्रमशः सम्पादक, ऑटो एडवाइजर, भोपाल के नाम से देय होना चाहिए।

छूट लाभ अवश्य उठाएं।

विज्ञापन कार्यालय
प्रबन्धक (विज्ञापन)
ऑटो एडवाइजर
द्वारा- रेनबो प्रिन्टर्स,
शॉप -57, ई-2/21, कॉमधेनू टॉवर
हबीबगंज स्टेशन के पास, अरेरा कालोनी, भोपाल

संपादकीय कार्यालय
संपादक
ऑटो एडवाइजर
डी-13, सेवॉय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स,
ई-8, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016

आठ मिनी बसों के परमिट रद्द

भोपाल । दूरस्थ क्षेत्रों तक यातायात सुविधा के लिए अनुज्ञप्ति धारी आठ मिनी बसों को यातायात सुविधा सुलभ कराने में लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी पाए जाने पर संभाग आयुक्त एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, भोपाल डा. भागीरथ प्रसाद ने दण्डित करते हुए उनके परमिट तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिए । संभाग आयुक्त ने सभी मिनी बस चालकों को चेतावनी दी कि नगर के दूरस्थ क्षेत्रों में नागरिकों को यातायात सुविधा सुलभ कराने में किसी भी बस मालिक द्वारा लापरवाही बरती गई तो दोषी मिनी बस मालिक के परमिट हमेशा के लिए निरस्त कर दिए जायेंगे ।

जिन मिनी बसों के परमिट निरस्त किए गए वे केवल नगर के व्यस्त मार्गों में घूमकर अधिक धन कमाने में लगी थीं ।

इस संबंध में नागरिकों से प्राप्त शिकायत और नगर वाहन सेवा संघ द्वारा पुष्टि किए जाने पर संभाग आयुक्त ने यह कदम उठाया ।

6 वाहन और 4 पेडल बोट्स पर्यटन विकास निगम में शामिल

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के 6 नए वाहन और 4 नए पैडल बोट्स का शुभारंभ निगम अध्यक्ष तरुण कुमार भादुड़ी द्वारा किया गया ।

नए वाहनों में आयशर की 27 सीटों वाली दो और 14 सीटों वाली चार टेम्पो ट्रेवलर हैं । निगम द्वारा यह वाहन पर्यटकों की आरामदेह यात्रा के लिए अपने पैकेज टूर कार्यक्रम में उपयोग हेतु बढ़ाए गए हैं । निगम के पास एक 28 सीटर केन्टर और 14 सीटर टेम्पो ट्रेवलर पहले से हैं, जिन्हें पर्यटक भ्रमण में प्रयुक्त किया जता है । इसके अलावा 36 सीटर और 15 सीटर ए.सी. कोच भी निगम के पास है । भोपाल-इंदौर मार्ग पर मालवा एक्सप्रेस बस सेवा का संचालन भी निगम ढाई वर्षों से सफलतापूर्वक कर रहा है ।

होटल पलाश परिसर में वाहनों का शुभारंभ करते हुए भादुड़ी ने चाबियाँ चालकों को सौंपी । इस अवसर पर निगम के प्रबंध संचालक संदीप सिंह, मुख्य महा प्रबंधक एल.एम. पन्त व जी.एस. चहल, महाप्रबंधक (परिवहन) लोकपाल सिंह आदि उपस्थित थे ।

इसी प्रकार पर्यटकों की सुविधा को बढ़ाने हेतु भोपाल तालाब में 4 नए पैडल बोट्स का शुभारंभ भी निगम अध्यक्ष तरुण कुमार भादुड़ी ने किया ।

जे.स्वामीनाथन मार्ग (पूर्व वन विहार मार्ग) पर स्थित पर्यटन विकास निगम के बोट क्लब पर इस समय 8 सीट वाली एक मोटर बोट और कई पेडल बोट तालाब में चलाई जा रही हैं । यहां दो सीट व चार सीट वाली पेडल बोट उपलब्ध हैं। जिनके लिए निगम ने क्रमशः 20 रुपए व 25 रुपए शुल्क निर्धारित किया है। शुल्क में सैलानी आधे घंटे तक नौका विहार का आनंद उठा सकते हैं ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संपादक व मुद्रक संजय हिन्दा द्वारा डी-13, सेवॉय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स, ई-8, अरेरा कालोनी, भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित । संपादक - संजय हिन्दा ।